पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.12.2016 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868002130

11 नवम्बर को कुण्डली आओ

आर्य सत्य सनातन वैदिक यज्ञ प्रचार सभा के तत्वावधान में रविवार, 11 दिसम्बर 2016 को प्रातः 9 बजे से 1.30 बजे तक मैक्स हाईटस सोसायटी,सैक्टर–62, कुण्डली, सोनीपत में 21 कुण्डीय यज्ञ, भजन, प्रवचन का कार्यक्रम होगा। डा. अनिल आर्य भी आयेंगे

–अरविन्द आर्य,मंत्री

वर्ष-33 अंक-13 मार्गशीर्ष-2073 दयानन्दाब्द 192 01 दिसम्बर से 15 दिसम्बर 2016 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.12.2016, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

उत्तर प्रदेश के आर्य समाज मवीकलां बागपत में ''राष्ट्रीय प्रेरणा पर्व'' सोल्लास सम्पन्न

समर्पित व्यक्तियों के सम्मान से समाज मजबूत होता है –स्वामी आर्यवेश

राष्ट्रवादी विचारधाारा से राष्ट्र को जोड़ने का कार्य युवाओं को करना है- डा.अनिल आर्य

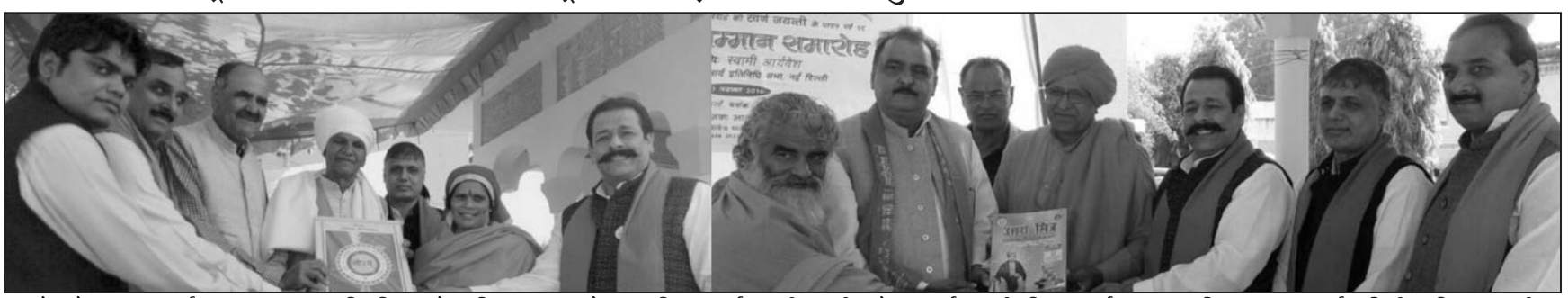

प्रो.सुरेन्द्रपाल आर्य का शाल व स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,साध्वी प्राची,सुरेश आर्य,महावीरसिंह आर्य,रामकुमारसिंह,अरूण आर्य। द्वितीय चित्र–स्वामी आर्यवेश जी को ''आर्य मित्र'' का विशेषांक भेंट करते उ.प्र.सभा के प्रधान श्री देवेन्द्रपाल वर्मा,स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी,डा.अनिल आर्य व सुरेश आर्य।

रविवार, 27 नवम्बर 2016, आर्य परिवार की ओर से प्रो. सुरेन्द्रपाल आर्य के 75 वें जन्मोत्सव पर ग्राम मवीकलां बागपत में ''राष्ट्रीय प्रेरणा पर्व'' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज की विभिन्न प्रतिष्ठित प्रतिभाओं का अभिनन्दन किया गया। समारोह में सैंकड़ों आर्य जन दूर दूर से उत्साह के साथ सम्मिलित हुए। समारोह के मुख्य अतिथि सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्य वेश ने कहा कि समर्पित व्यक्तियों के सम्मान से उत्साह बढ़ता है तथा व्यक्ति ओर अधिक उर्जा से कार्य करता है। स्वामी आर्यवेश ने कहा कि आज चुनौतियां बढ़ रही हैं आर्य जनों को समाज में व्यापत अन्धविश्वास,पाखण्ड, शराब खोरी के विरूद्वशंखनाद करना है, आन्दोलन करने वाली संस्था ही जिन्दा रहा करती है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सार्वदेशिक सभा के उपप्रधान डा. अनिल आर्य ने कहा कि आज देश में सम्प्रभुता व एकता को तोड़ने वाली ताकतें सिर उठा रही है, आर्य जनों का कर्तव्य बनता है कि वह दिग्भ्रमित हो रही युवा पीढ़ी को राष्ट्रवादी विचारधारा से जोड़ने का कार्य करें आज इसकी महती आवश्ता है।

स्वामी विवेकानन्द जी (प्रभात आश्रम मेरठ), आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के प्रधान श्री देवेन्द्रपाल वर्मा, महामन्त्री स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी, साध्वी प्राची, आचार्या सुमेधा, (गुरूकुल चोटीपुरा), किसान नेता सरदार श्री बी.एम.सिंह,स्वामी ओमवेश जी ने अपने विचार रखे। परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य को ''राष्ट्रीय गौरव'' सम्मान से सम्मानित किया गया। दिल्ली से महावीरसिंह आर्य, चतरसिंह नागर, ओमवीरसिंह आर्य, सुभाष चांदना, प्रो. बलजीतसिंह आर्य (बड़ोत), रामकुमारसिंह, अरूण आर्य, सुरेश आर्य, सौरभ गुप्ता, स्वामी वरूणवेश, स्वामी कर्मपाल, मधुरप्रकाश आर्य, गुरूदत आर्य आदि सम्मलित हुए। प्रो. सुरेन्द्रपाल आर्य व श्रीमती सत्यवती आर्या की 50 वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई दी गई। समारोह को सफल बनाने में महावीरसिंह आर्य, प्रि. भूपालसिंह आर्य, डा.सत्येन्द्रपाल सिंह, वेद ज्योति, डा.गायत्री आर्या व डा.सूर्यदेव का अथक पुरूषार्थ रहा। ऋषि लंगर का आनन्द लेकर सम्मेलन की यादों को संजोय सभी आर्य जन विदा हुए।

डा. अनिल आर्य ''राष्ट्रीय गौरव'' से सम्मानित: हजारों आर्यों का लगा मेला

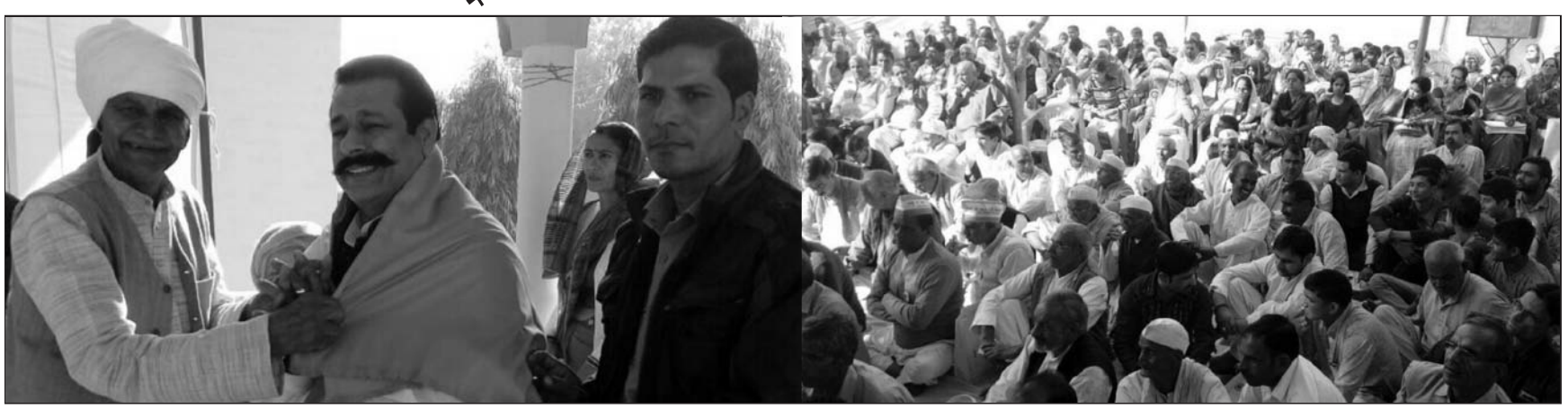

डा.अनिल आर्य का शाल से अभिनन्दन करते प्रो.सुरेन्द्रपाल आर्य व द्वितीय चित्र– आर्य जनों का लगा मेला

आर्य महासम्मेलन में पधारने वाले बाहर के आर्य जन ध्यान दें

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन दिनांक 27,28,29 जनवरी 2017 में दिल्ली से बाहर के आने वाले आर्य बन्धुओं व आर्य युवकों से अनुरोध है कि कृपया अपने पधारने की सूचना, दिनांक व संख्या से शीघ्र सूचित करें जिससे यथोचित आवास आदि की व्यवस्था की जा सके।

सम्पर्क नं. श्री देवेन्द्र भगत–9312406810, श्री धर्मपाल आर्य–9871581398, श्री प्रवीन आर्य–9911404423, श्री यशोवीर आर्य–9312223472, श्री रामकुमार सिंह–9868064422, श्री महेन्द्र भाई–9013137070, श्री यज्ञवीर चौहान–9810493055, श्री संजय आर्य–9871467689, श्री विकास गोगिया–9999119790 ओर 26 से 29 जनवरी 2017 तक लगने वाले ''कार्यकर्ता सेवा शिविर'' में सेवा देने के इच्छुक आर्य युवक अपना नाम प्रधान शिक्षक श्री सौरभ गुप्ता–9971467978 या व्यवस्थापक श्री अरूण आर्य–9818530543 को लिखवा देवें व परिचय पत्र हेतु 2 फोटो भेज देवें।

लोकभाषा हिन्दी में धर्म प्रचार करने वाले प्रथम धर्म प्रचारक स्वामी दयानन्द

— मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

सारा संसार जानता व मानता है कि ऋषि दयानन्द इतिहास वर्णित वेदों के विद्वानों में अपूर्व विद्वान थे। वह वेदों के विद्वान मात्र नहीं अपितु क्रियात्मक योग के सिद्ध अभ्यासी व उपासक भी थे। योग का उद्देश्य ईश्वर का ध्यान करते हुए समाधि अवस्था को प्राप्त कर ईश्वर का साक्षात्कार करना होता है। उनके जीवन व साहित्य का अध्ययन करने पर यह निष्कर्ष निकलता है कि उन्होंने समाधि तो प्राप्त की ही थी अपितु ईश्वर का समाधि अवस्था में साक्षात्कार भी किया हुआ था। महर्षि दयानन्द पहले सिद्ध योगी बने और उसके बाद मथुरा में प्रज्ञाचक्षु दण्डी गुरु विरजानन्द सरस्वती से संस्कृत के आर्ष व्याकरण अष्टाध्यायी–महाभाष्य पद्धति और वैदिक ग्रन्थों का अध्ययन कर वेद सहित समस्त वैदिक साहित्य का यथार्थ आशय व अर्थ जानने व समझने वाले सच्चे विद्वान व ऋषि बने थे। इस योग्यता को प्राप्त करने के बाद परम्परागत भावी कर्तव्य तो यही था कि वह जीवन मुक्त अवस्था में रहकर योगाभ्यास करते हुए प्रातः सायं समाधि का अभ्यास करते हुए ईश्वर का साक्षात्कार करते रहते और मृत्यु होने पर मोक्ष अवस्था को प्राप्त कर लेते। देश व भावी पीढ़ी के सौभाग्य से स्वामी दयानन्द जी के गुरु ने उनका ऐसा मार्गदर्शन किया जिसने इन दोनों महापुरुषों को न केवल भारत अपितु विश्व के इतिहास में अमर कर दिया। गुरु विरजानन्द जी ने स्वामी दयानन्द को प्रेरणा की कि वह अपनी विद्या का सदुपयोग देश से अविद्या व अधर्म के नाश के लिए करें। स्वामी दयानन्द जी ने इस प्रस्ताव के महत्व को समझकर इसे स्वीकार कर लिया और जीवनमुक्त अवस्था में रहकर देशहित के किसी भी कर्तव्य की उपेक्षा न कर अपने समाधि के दैवीय सुख को छोड़कर उन्होंने संसार से अधर्म व अविद्या दूर कर सत्य धर्म अर्थात् वैदिक धर्म के प्रचार प्रसार का महनीय एवं अपूर्व कार्य किया। ऋषि दयानन्द जी ने पहले वेद धर्म के प्रचार का कार्य संस्कृत में भाषण व व्याख्यानों द्वारा आरम्भ किया था परन्तु संस्कृत के सीमित श्रोता व विद्वान होने के कारण उन्होंने ब्राह्म समाजी नेता केशव चन्द्र सेन के सुझाव के अनुसार वेद प्रचार के लिए देश भर में जानी व समझी जाने वाली भाषा हिन्दी को अपनाया। अपने जीवन का उद्देश्य वेद धर्म प्रचार को बनाना जिसमें यथार्थ ईश्वरोपासना एवं यज्ञ अग्निहोत्र सहित योगाभ्यास भी सम्मिलित है, उसके लिए ऋषि दयानन्द द्वारा हिन्दी भाषा का चयन करना उनका एक ऐसा निर्णय है जिससे देश व विश्व का आशातीत कल्याण हुआ।

महर्षि दयानन्द (1825–1883) के समय में देश में पौराणिक, पारसी, बौद्ध, जैन, ईसाई, मुस्लिम और सिख आदि प्रमुख मत प्रचलित थे। स्वामी जी ने पाया कि इन सभी मतों में वैदिक मत की अनेक शिक्षायें विद्यमान हैं और इसके साथ इनके मत–पंथ–धर्म ग्रन्थों में अनेक बातें ऐसी हैं जो अज्ञान, अन्धविश्वास व मिथ्या परम्पराओं पर आधारित हैं। इस कारण इन सभी मतों के अनुयायियों को यथेष्ठ लौक व आध्यात्मिक सुख सहित पारलौकिक उन्नति प्राप्त न होकर दुःख मिश्रित सुख ही सदैव प्राप्त होते हैं। वेद मर्मज्ञ आचार्य चाणक्य ने कहा है कि सुख का आधार धर्म है। जिस दुःखरहित सुख का आधार धर्म होता है वह मत–मतान्तरों वाला सुख नहीं होता, अपितु सत्य व ज्ञान युक्त कर्मों वाला धर्म व कर्तव्य से प्राप्त सुख होता है। यह सुख संसार में तर्क व युक्ति प्रमाण से सिद्ध वैदिक धर्म के आचरण से ही प्राप्त होता है। वैदिक धर्म का विस्तार व अनेक प्रकार के विधान वेद व वैदिक ग्रन्थों मनुस्मृति, दर्शन व उपनिषदों आदि में पाये जाते हैं। ऋषि दयानन्द ने सर्वांगीण सत्य सनातन वैदिक धर्म की मान्यताओं, सिद्धान्तों व संस्कार विषयक विधानों का देश भर में घूम घूम कर प्रचार व प्रसार सन् 1863 से आरम्भ किया था। आगरा से प्रचार आरम्भ किया और आगे बढ़ते हुए देश के प्रायः सभी प्रान्तों में उन्होंने वेदों का प्रचार किया। यदि उन्हें और अधिक जीवन मिला होता तो वह देश के उन भागों में भी जाते जहां वह जा नहीं सके थे। समय आने पर देश के अन्य देशों में भी वैदिक धर्म का प्रचार करने अवश्य जाते परन्तु अपने ही स्वदेशीय बन्धुओं के ईष्या व द्वेष के कारण उनका 58–59 वर्ष की अवस्था में बलिदान वा देहान्त हो गया। भावी जीवन में वह अनेक ग्रन्थ लिखते जिनसे भारत के स्वर्णिम इतिहास पर विस्तार से प्रकाश पड़ता। भविष्य में उनके द्वारा विश्व सुधार का जो कार्य होना था वह अवरुद्ध हो गया जिससे विश्व की भारी क्षति हुई, यह हम अनुभव करते हैं।

महर्षि दयानन्द के धर्म प्रचार काल में देश में मूर्तिपूजा, फलित ज्योतिष, मृतक श्राद्ध सहित सामाजिक कुरीतियां, सामाजिक असमानता एव समाज के लोगों में जन्मना जातिवाद, छुआ–छूत वा अस्पर्शयता, ऊंच–नीच आदि भेदभाव, बाल विवाह, सतीप्रथा, बाल विधवाओं की दुर्दशा, बेमेल विवाह आदि प्रथायें एवं परम्परायें प्रचलित थी जिससे समाज सुदृण न होकर रूग्ण, बलहीन व प्रभावहीन हो गया था जिसका लाभ मुगल व अंग्रजों ने उठाया और देश को गुलाम बनायाा। महर्षि दयानन्द जानते थे कि देश को बलवान बनाने के लिए सभी अन्धविश्वासों को दूर कर सबको वैदिक मान्यताओं का अनुयायी बनाना होगा। ऐसा होने पर ही देश सुदृण होकर इसके देशवासी सभी प्रकार के दुःखों से मुक्त हो सकते थे। इसी को अपने जीवन का उद्देश्य बनाकर उन्होंने प्रचार किया। एक ओर जहां उन्होंने सत्य सनातन वैदिक मान्यताओं का प्रचार किया वहीं दूसरी ओर सभी मतों की अवैदिक, अज्ञान पर आधारित, हानिकारण तथा अनावश्यक बातों पर प्रकाश डालकर उनका खण्डन किया। उनका कार्य ज्ञात इतिहास में अपूर्व वह देश व विश्व के हित की दृष्टि से सर्वोत्तम एवं उपादेय रहा। यदि सभी मत–मतान्तर के आचार्य उनसे सहयोग करते तो आज यह यह धरा वा पृथिवी शान्ति का धाम होती। सहयोग न करने और अपने अपने मत के अविद्याजन्य अनुपयोगी विचारों, मान्यताओं व सिद्धान्तों के प्रचार, आचरण और विस्तार के कारण संसार में अशान्ति फैली हुई है। बिना एक मत, एक धर्म, एक भाषा, एक भाव, एक समान अविरुद्ध सोच व विचारधारा, एक सुख–दुख, ईश्वर व जीवात्मा के यथार्थ स्वरुप को जानकर उपासना आदि कर्तव्यों का पालन के बिना संसार में कभी भी सच्ची पूर्ण शान्ति स्थापित नहीं की जा सकती। इतर जितने भी कार्य किये जाते हैं वह सब मृग मरीचिका के समान हैं और ऋषि दयानन्द की संसार के दुःखों से मुक्ति की यथार्थ ओषधि के विपरीत व विरोधी हैं जो समाज व देश में अन्याय, पक्षपात व शोषण आदि को जन्म देते हैं व दे रहे हैं। आज भी संसार के सामने संसार में भात्त्व व मैत्रीभाव उत्पन्न करने में सबसे अधिक बाधक मत–मतान्तर ही हैं जिनके रहते, ऋषि के विचारों के अनुसार, सच्ची शान्ति, एकता व विश्व बन्धुत्व को स्थापित नहीं किया जा सकता।

ऋषि दयानन्द ने आरम्भ में संस्कृत में प्रचार किया और उसके बाद उन्होंने धर्म प्रचार को व्यापक बनाने के लिए देश में सर्वाधिक बोली व समझी जाने वाली भाषा हिन्दी, जिसे उन्होंने आर्यभाषा का नाम दिया, अपनाया। महाभारत काल के बाद के ज्ञात इतिहास में यह पहला अवसर था कि जब किसी वेदों के पारंगत व मर्मज्ञ विद्वान ने सृष्टि के आदिकालीन व प्राचीनतम वैदिक धर्म का संस्कृत भाषा के स्थान लोकभाषा हिन्दी में प्रचार किया। यही कारण था कि उन्हें अपने प्रचार में अपूर्व सफलता मिली। संसार का कोई ऐसा मत नहीं है कि जो अपने अनुयायियों को तर्क व युक्ति के प्रयोग व शंका समाधान का अधिकार देता हो। यह अधिकार केवल और केवल वैदिक मत में ही है। इसे दूसरे रुप में 'सत्य के ग्रहण करने और असत्य को छोड़ने में सर्वदा उद्यत रहने' का सिद्धान्त कह सकते हैं जिसे ऋषि दयानन्द ने आर्यसमाज का चौथा नियम बनाया है। इस नियम के कारण आर्यसमाज संसार की अद्वितीय धार्मिक संस्था बन गई है। आर्यसमाज के वैदिक धर्मी सभी अनुयायी वेदों व धर्म के विषयों पर स्वतन्त्रतापूर्वक चिन्तन व मनन करते हुए सत्य की खोज करते है, परस्पर व विद्वानों से चर्चा कर सत्य को अपनाते एवं असत्य का त्याग करते हैं जिससे उनका बौद्धिक, आत्मिक व शारीरिक विकास होता है। महर्षि दयानन्द की देश व समाज को यह बहुत बड़ी देन है। उनकी देखा देखी ही सभी मतों ने एक सीमा तक विचार व चिन्तन को अपनाया है परन्तु वह अपने–अपने मत की सभी अवैज्ञानिक, असत्य, अनावश्यक, समाज व स्त्री–पुरुषों के हितों की विरोधी मान्यताओं पर स्वतन्त्रतापूर्वक स्वयं विचार करने की स्वतन्त्रता अपने अनुयायियों को नहीं देते। ऋषि दयानन्द पहले ऐसे मत प्रचारक हुए हैं जिनकी सोच पूर्णतया विज्ञान के सिद्धान्तों पर आधारित थी और उन्होंने वैदिक धर्म के सभी सिद्धान्तों को सत्य, तर्क व विज्ञान की कसौटी पर प्रतिष्ठित किया। उनके द्वारा लोक भाषा हिन्दी को अपनायें जाने से कोटि कोटि साधारण मनुष्यों का अपूर्व हित एवं कल्याण हुआ है। हम जैसे हिन्दी पठित साधारण व्यक्ति भी उनके हिन्दी के प्रचार से वेदों, मनुस्मृति, दर्शन व उपनिषदादि के मर्म को कुछ व अधिक सीमा तक जान सके हैं। इसके लिए महर्षि दयानन्द को नमन कर इन पंक्तियों को विराम देते हैं।

–196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, फोनः09412985121

आर्य समाज,सैक्टर–33, नोएडा का उत्सव

आर्य समाज व आर्ष गुरूकुल,सैक्टर–33,नोएडा का वार्षिकोत्सव बुधवार, 7 दिसम्बर से रविवार, 11 दिसम्बर 2016 तक मनाया जा रहा है । भ्रष्टाचार उन्मूलन सम्मेलन,आर्य महिला सम्मेलन,सत्यार्थ प्रकाश सम्मेलन,पं.विष्णुमित्र मेधार्थी के प्रवचन व पं.सदीप आर्य के भजन होगे । रविवार, 11 दिसम्बर को प्रातः 8 से दोपहर 1.30 बजे तक भव्य समापन 101 कुण्डीय यज्ञ के साथ डा.जयेन्द्र आचार्य जी के ब्रह्मत्व में होगा व समारोह अध्यक्ष डा.अमिता चौहान होंगी । समाज के प्रधान रविन्द्र सेठ,प्रधाना गायत्री मीना ने अधिक से अधिक संख्या में पंहुचने की अपील आर्य जनों से की है

–कै.अशोक गुलाटी,मंत्री

जहां नहीं होता कभी विश्राम ओ३म् आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 38 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी प्रणवानन्द जी व स्वामी धर्ममुनि जी के सानिध्य में

डॉ. अशोक कुमार चौहान की अध्यक्षता व आचार्य अखिलेश्वर जी के ब्रह्मत्व में

वायु प्रदुषण व पर्यावरण की शुद्धि के लिए

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 27, 28, 29 जनवरी 2017 (शुक्र, शनि व रविवार)

स्थान : उत्सव ग्राउण्ड, इन्द्रप्रस्थ विस्तार, पटपड़गंज, पूर्वी दिल्ली (निकट मैट्रो स्टेशन प्रीत विहार व आनन्द विहार)

राष्ट्रीय एकता तिरंगा यात्रा : शुक्रवार 27 जनवरी 2017, प्रातः 10.30 बजे

रूट : उत्सव ग्राउण्ड से चलकर वाया आर्य नगर, अग्रसेन सोसायटी, सांई चौक मधु विहार, स्वामी दयानंद मार्ग, कड़कड़ी मोड़, विकास मार्ग विस्तार, दयानन्द विहार कड़कड़डूमा मैट्रो स्टेशन, जागृति एनक्लेव, डी-ब्लॉक आनन्द विहार, विवेकानंद स्कूल, डी.ए.वी. श्रेष्ठ विहार, योजना विहार, यमुना स्पोर्ट्स कम्पलेक्स, विवेकानंद-महिला कालेज, सांसद महेश गिरी कार्यालय, आर्य समाज विवेक विहार, झिलमिल मैट्रो लालबती, आर-ब्लॉक, दिलशाद गार्डन, आर्य समाज दिलशाद गार्डन स्वामी दयानन्द अस्पताल, विवेक विहार फेज-2, झिलमिल कस्तूरबा नगर लालबती, शिक्षक सदन, आर्य समाज, सूरजमल विहार, शरद विहार-ऋषभ विहार रोड़ ए.जी.सी.आर. एनक्लेव, हरगोबिन्द एनक्लेव, कड़कड़ी लालबती से बांए, हसनपुर डिपो, उत्सव ग्राउण्ड में 1.30 बजे समापन। संयोजक- सुरेश आर्य, देवेन्द्र भगत राकेश भटनागर, सुशील आर्य, योगेन्द्र शास्त्री, संतोष शास्त्री, प्रवीण आर्य, वीरेन्द्र योगाचार्य, ब्र. दीक्षेन्द्र, विश्वनाथ आर्य, ओमवीर सिंह, महेश भार्गव, जगदीश पाहुजा राजेन्द्र खारी, विजय आर्य, पियुष शर्मा, के.के. यादव, शिवम मिश्रा, काशीराम, प्रदीप आर्य, रविन्द्र मेहता, शिशुपाल आर्य, विनोद बजाज, सुनील भाटिया, यश शर्मा

मुख्य यजमान : सर्वश्री दर्शन अग्निहोत्री, सुरेन्द्र गम्भीर, रामलुभाया महाजन, डॉ. लाजपतराय आर्य चौधरी

शुक्रवार 27 जनवरी, 2017

यज्ञ	: प्रात: 8.30 से 9.30
राष्ट्रीय एकता तिरंगा यात्रा	: प्रात: 10.30 से 1.30
वेद-संस्कृत रक्षा सम्मेलन	: दोपहर 2.30 से 5.30
भव्य संगीत संध्या	: रात्री 7.00 से 9.30

श्री नरेन्द्र आर्य ''सुमन'', श्रीमती अर्चना मोहन

शनिवार 28 जनवरी, 2017

101 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रात: 8.30 से 10.30
ध्वजारोहण	: प्रात: 10.45 बजे
युवा चेतना सम्मेलन	: 11.00 से 2.00
महिला शक्ति सम्मेलन	: 2.15 से 5.00
व्यायाम शक्ति प्रदर्शन	: 5.00 से 6.30
राष्ट्र रक्षा सम्मेलन	: 7.30 से 9.30

रविवार 29 जनवरी, 2017

151 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रात: 8.30 से 10.30
ध्वजारोहण	: प्रात: 11.00 बजे
राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन	: 11.30 से 2.30
शिक्षा संस्कृति बचाओ सम्मेलन	: 2.30 से 5.00
कार्यकर्ता सम्मान समारोह	: 5.00 से 5.30
धन्यवाद एवम् शांतिपाठ समापन	: सायं 5.45 बजे

1. दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपने पधारने की संख्या के बारे में 8 जनवरी 2017 तक सूचित करने की कृपा करें जिससे भोजन व आवास का उचित प्रबन्ध किया जा सके। सम्पर्क : वेदप्रकाश आर्य-9810487559, संजय आर्य-9871467689, सौरभ गुप्ता-9971467978
2. कृपया यजमान बनने के इच्छुक आर्य बन्धु व आर्य समाज अपना यज्ञकुण्ड 8 जनवरी 2017 तक यज्ञवीर चौहान - 9810493055, राजीव कोहली -9968266014, विकास शास्त्री - 8010204256, अरूण आर्य - 9818530543, विकास शर्मा - 9818161291 पर आरक्षित करवा लें ।

हज़ारों की संख्या में पहुँचकर आर्य समाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें

अपील

इस रचनात्मक विशाल कार्यक्रम में आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है कृपया दानराशी क्रास चैक/ड्राफ्ट द्वारा ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'' के नाम से कार्यालय के पते पर भिजवायें। ऋषि-लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, शुद्ध घी, रिफाईन्ड, सब्जी, मसाले आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें

निवेदक

डॉ. अनिल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष
महेन्द्र भाई
राष्ट्रीय महामंत्री
दुर्गेश आर्य
राष्ट्रीय मंत्री
धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

यशोवीर आर्य
रामकुमार सिंह
कृष्णचन्द पाहूजा
सत्यभूषण आर्य
सुभाष बब्बर
स्वतंत्र कुकरेजा
आनन्दप्रकाश आर्य
रामकृष्ण शास्त्री
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

आनन्द चौहान
ठाकुर विक्रम सिंह
मायाप्रकाश त्यागी
प्रभात शेखर
नवीन रहेजा
अरूण बंसल
विजयारानी शर्मा
अमीरचन्द रखेजा

डॉ. रिखबचन्द जैन
अमरनाथ गोगिया
ओमप्रकाश पांडेय
संजीव सेठी
प्रि0 अन्जु महरोत्रा
योगराज अरोड़ा
जवाहर भाटिया
हरिमोहन शर्मा, बब्बु

स्वागत अध्यक्ष

विकास गोगिया
प्रदीप तायल
रवि चड्डा
सत्यवीर चौधरी
रमेशकुमारी भारद्वाज
ओम सपरा
ब्रह्मप्रकाश मान
लक्ष्मण पाहुजा

सुरेन्द्र कोहली
गायत्री मीना
पी.के. मित्तल
डॉ. डी.के. गर्ग
चन्द्रप्रभा अरोड़ा
रविदेव गुप्ता
सुभाष चांदला
प्रेमपाल शास्त्री

स्वागत मन्त्री

स्वागत समिति : सर्वश्री गुरूदीनप्रसाद रस्तोगी, जितेन्द्र डावर, राजेश मेहन्दीरत्ता, चत्तरसिंह नागर, के.के. सेठी, सुरेन्द्र गुप्ता, धर्मदेव खुराना, अमित मान, डॉ. आर.के. आर्य, अन्जु जावा, सुरेन्द्र शास्त्री, नीता खन्ना, उर्मिला आर्या, अर्चना पुष्करणा, शीला ग्रोवर, पुष्पलता वर्मा, कै. अशोक गुलाटी, लक्ष्मी सिन्हा, विनोद खुल्लर, राजकुमारी शर्मा, उषाकिरण कथूरिया, वीरेन्द्र जरयाल राजेन्द्र लाम्बा, संदीप आहुजा, सुभाष ढींगरा, क0 धर्मवीर मलिक, सत्यपाल भाटिया, अजय कपूर, मनोहरलाल चावला, वेदप्रभा बरेजा, प्रवीन तायल, महेन्द्र मनचन्दा, डॉ. गजराजसिंह आर्य

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9810117464, 9312406810, 9312223472, 9013137070
E-mail: aryayouth@gmail.com **Website:** www.aryayuvakparishad.com
Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com • join-http:// www.facebook.com/group/aryayouth

आर्य समाज रमेश नगर व पूर्वी पंजाबी बाग, दिल्ली का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 20 नवम्बर 2016, आर्य समाज,रमेश नगर, दिल्ली का वार्षिक उत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। स्वामी आर्यवेश जी के प्रवचन चले। चित्र में–महर्षि दयानन्द पब्लिक स्कूल के पुरस्कृत बच्चों के साथ स्वामी आर्यवेश जी, डा. अनिल आर्य, प्रधान नरेन्द्र आर्य 'सुमन', हीरालाल चावला, नरेश विज, मंत्री सत्यपाल नांरग आदि। द्वितीय चित्र–रविवार, 20 नवम्बर 2016 को ही आर्य समाज, पूर्वी पंजाबी बाग का वार्षिकोत्सव सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। डा. विनय विद्यालंकार के प्रवचन व नरेन्द्र आर्य सुमन के मधुर भजन हुए। चित्र में–डा. विनय विद्यालंकार के साथ मंत्री श्री रवि चड्डा सपित्नक, डा. अनिल आर्य, आचार्य आनन्दप्रकाश, रमेश गिरोत्रा आदि।

आर्य समाज, दिलशाद गार्डन व आर्य कन्या गुरूकुल राजेन्द्र नगर का उत्सव सम्पन्न

रविवार 20 नवम्बर 2016, आर्य समाज दिलशाद गार्डन, पूर्वी दिल्ली का रजत जयंती समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। आचार्य नरेन्द्र मैत्रेय के प्रवचन हुए। चित्र में डॉ. अनिल आर्य को सम्मानित करते हुए श्री सुरेन्द्र रैली व प्रधान श्री जवाहर भाटिया, अभिमन्यु चावला। अरूणा मुखी ने धन्यवाद किया व सुरेश मुखिजा ने संचालन किया। द्वितीय चित्र शनिवार, 19 नवम्बर 2016, आर्य कन्या गुरूकुल राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली का 48 वां वार्षिकोत्सव सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता साध्वी डा. उतमा यति जी ने की व श्री दिनेशचन्द्र कोठारी मुख्य अतिथि थे। चित्र में–डा. अनिल आर्य को शाल से सम्मानित करते हुए माता कृष्णा ठुकराल, वेद मदान, प्रान्तीय महिला सभा की प्रधान श्रीमती प्रकाश कथुरिया। कुशल संचालन सुनीता पासी ने किया। आर्य नेता वेदप्रकाश, आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री, माता कृष्णा चड्डा, माता सन्तोष वधवा, सुरेन्द्र बुद्विराजा, आदर्श सहगल, प्रतिभा मल्होत्रा, शशि मल्होत्रा, सरिता शर्मा, अल्पना शर्मा, पार्षद यशपाल आर्य, राजेश भाटिया, प्रेमलता भटनागर, डा. ऋषिपाल शास्त्री, आचार्य आनन्दप्रकाश, सपना शर्मा, सुनीता बुग्गा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

आर्य समाज, दुर्गापुरी विस्तार का वार्षिकोत्सव शानदार सफलता के साथ सम्पन्न

रविवार, 20 नवम्बर 2016, पूर्वी दिल्ली की सबसे सकिय समाज आर्य समाज दुर्गापुरी विस्तार का वार्षिकोत्सव शानदार सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। आचार्या अंजली आर्या के मधुर भजन हुए व आचार्य करनसिंह के प्रवचन हुए। चित्र में–कमशः दानवीर श्री महेश सिंघल व श्री आर.एस.त्यागी को सम्मानित करते परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य, वेदप्रकाश आर्य, प्रधान अनिल सिंघल व रामकुमार सिंह आर्य। कुशल संचालन नरेन्द्र आर्य ने किया व महामंत्री जयपाल सिंह ने धन्यवाद किया।

आर्य समाज, कालका जी व बृजविहार गाजियाबाद का उत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 27 नवम्बर 2016, आर्य समाज,कालका जी, नई दिल्ली का वार्षिकोत्सव सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। डा.सुधीर आर्य के प्रवचन व पं.लक्ष्मीकांत कंदपाल के भजन हुए। चित्र में–प्रधान श्री रमेश गाडी, परिषद् के महामंत्री महेन्द्र भाई, पूर्व पार्षद कै. खविन्द्र सिंह, ओमप्रकाश अबरोल व पुरस्कृत अध्यापिकाये। कुशल संचालन महामंत्री श्री राकेश भटनागर ने किया। द्वितीय चित्र–27 नवम्बर 2016 को ही आर्य समाज, बृजविहार, गाजियाबाद का वार्षिकोत्सव सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। चित्र में प्रधान श्री महेन्द्र कुमार सिंघल,महेन्द्र भाई,मंत्री प्रेम शर्मा आदि सदस्य।

गुरूकुल गौतम नगर का 83 वां वार्षिकोत्सव

दक्षिण दिल्ली के गुरूकुल गौतम नगर का 83 वां वार्षिकोत्सव रविवार, 27 नवम्बर से रविवार, 18 दिसम्बर 2016 तक ''चतुर्वेद पारायण यज्ञ'' के साथ चल रहा है । जिसका भव्य समापन व पूर्णाहूति रविवार 18 दिसम्बर 2016 को प्रातः 8 से 1.30 बजे तक होगी । पूर्व कुलपति डा. महावीर जी यज्ञ के ब्रह्मा होंगे । सभी आर्य जन सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं —स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती,आचार्य–फोनः9868855155

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्री ओमप्रकाश देवड़ा (ससुर आचार्य भानु प्रताप वेदालंकार, इन्दौर) का निधन।
2. श्री रामप्रकाश आहुजा (पिता प्रि.सतीश आहुजा फरीदाबाद) का निधन।
3. श्रीमती शान्तिदेवी (धर्मपत्नि स्व.श्री रामलाल शास्त्री, रोहतास नगर) का निधन।
4. श्री ओमप्रकाश आर्य (सम्पादक, चरित्रवान, गाजियाबाद) का निधन।
5. श्रीमती उषा जिन्दल (जिन्दल आयल मिल, शाहदरा) का निधन।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970